

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	REMINGTON GAIL 28th Oct 2018 S1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2018-10-28 15:39:49
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	90898813
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	90898813
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 90898813
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 90898813 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	90898814
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	90898814
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 90898814
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 90898814 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है निराला जी लिखी हुई किताबे बेचने निकले। उन किताबों को बेहतरीन दाम पाकर वे बहुत खुश हुए और ठाठ से घर को चल दिए। तभी उनकी निगाह एक औरत पर गयी जो कि तपती दोपहर में एक पेड़ की छाया में बैठी भिख मांग रही थी। उसकी दशा बहुत ही खराब थी जिसे देख निराला जी तुरंत ही वहां थम गये और उस औरत की ओर जाने लगे। निराला जी को अपने पास आता देखकर वह औरत अपने दोनों हाथ फैलाकर उनसे भिख मांगने लगी। निराला जी जब उस औरत के पास पहुंचे तो तुरंत बोले की आज आपको कुछ नहीं मिला। तो बुढ़ी औरत ने कहा की बेटा आज सुबह से ही कुछ नहीं मिला है। तो निराला जी ने कहा कि आपने मुझे बेटा कहा तो आप मेरी माता समान हुई और यह कैसे हो सकता है कि निराला की माता जी ऐसे राह पर बैठकर भिख मांग रही है। यह सुनकर उस लाचार औरत की आंखों में पानी भर आया। फिर निराला जी कुछ पैसे उस औरत के हाथ पर रखते हुए बोले कि मैं आपका बेटा और आप मेरी माता। अब बताइए कितने दिन तक आप भिख नहीं मांगोगी। तो औरत ने कहा कि एक दो दिन तक नहीं मांगुंगी बेटा। फिर निराला जी ने उसे कुछ और पैसे दिए और पुछा की अब कितने दिन तक नहीं मांगोगी। तो औरत ने कहा कि बीस दिन तक नहीं मांगुंगी। ऐसा करते करते निराला जी ने सारे पैसे उस औरत के पास चले गये। वह बस हर बार पुछते रहे और पैसे उस औरत की गोद में डालते रहे। यह सब एक राहगीर देख रहा था और दंग ही रह गया। वहीं दूसरी तरफ इतने सारे पैसे देखकर वह औरत भावुक हो गयी और निराला जी से कहने लगी अब वह कभी भी भिख नहीं मांगेगी। इतना सुनकर निराला जी अपने एक खास मित्र के घर चले गये और पहुंचते ही निराला जी ने अपने मित्र को रिक्शे का किराया भरने को कहा। जैसे ही उनका मित्र किराया देने लगा अचानक से रिक्शे वाले ने सबकुछ उनके मित्र को बता दिया। यह सब बातें सुनकर निराला जी के मित्र को रोना आ गया और रिक्शे वाले को उसके पैसे देकर विदा कर दिया। आसान नहीं होता है किसी अनजान की राह चलते मदद कर देना। निराला जी ने जो किया वह बेहद सराहनीय था जो लोग महान होते है उनका दिल उदार और बहुत ही कोमल होता है। उनसे किसी की भी परेशानी नहीं देखी जाती है। वे लोग दूसरों के सुख में ही अपना सुख देखते है। ऐसे लोग अपने पराये में कोई अंतर नहीं रखते है। वे सबको अपना परिवार ही मानते है। हम भी अगर लोगों की छोटी छोटी बातों में मदद कर दें तो दूसरों की खुशी का कारण बन पायेंगे और मानवता की नींव रख पायेंगे।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes